

>

Title: Regarding the stand taken by the Government with regard to division of States.

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): सभापति महोदय, मैं इस सदन का ध्यान एक अति लोक महत्व के प्रश्न की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। मैं चाहूँगा कि जैसे डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने दो माननीय सदस्यों के विषय पर जवाब दिया है, वह मेरे प्रश्न का भी जवाब देंगे।

सभापति महोदय, आज पूरे भारतवर्ष को प्रदेशों के रूप में बांटने की साज़िश हो रही है। आज तेलंगाना का मामला आया। आपने देखा होगा कि तेलंगाना के बाद कम से कम एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के गठन की बात आयी है। इस वक्त यह मामला यू.पी.ए. और कांग्रेस सरकार के गले की हड्डी की फांस बन गई है। राहुल जी ने भी कहा है कि छोटे राज्यों से ही समग्र विकास हो सकता है। उन्होंने हवन में और घी डालकर आहुति का काम कर दिया है। आज पूरे देश में जन समस्याएँ इतनी विकराल हो गई हैं कि महंगाई जैसे तमाम मुद्दे हैं, उन से ध्यान अलग हटाने के लिये केन्द्र सरकार भी वहीं काम कर रही है और उत्तर प्रदेश की सरकार भी वहीं कर रही है। उत्तर प्रदेश के सी.एम. ने तो चार राज्यों के पुनर्गठन की बात कह डाली है। ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Please do not interrupt him. This will not go on record.

*(Interruptions) अँँँ! **

श्री शैलेन्द्र कुमार : उत्तर प्रदेश को चार भागों - हरित प्रदेश, बुंदेलखंड, पूर्वांचल और मध्य के लिये मांग की है। अब क्या स्थिति हो गई है? हम कह सकते हैं कि अभी हम लोग उत्तर प्रदेश से सांसद हैं। हमें गर्व होता है। कल को इतने पूर्वांचल से हैं। आप देखें कि हमारा समाजवादी दल इसका विरोध करता है और मैं चाहूँगा कि अगर ऐसा ही करना है तो एक राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया जाये। दूसरी बात यह है कि यू.पी.ए. सरकार को राज्य के बंटवारे के मामले में अपनी नीति को स्पष्ट करना चाहिये। उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति आयोग की जो रिपोर्ट आयी है...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Hon. Member, you have made your point. Please sit down.

...(Interruptions)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं अपनी बात केवल एक पाइंट और कहकर समाप्त करूँगा...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: You cannot interrupt like this.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: This is not going on record.

*(Interruptions) अँँँ! **

MR. CHAIRMAN : Shri Shailendra Kumar, please address the Chair. You have made your point very well. Now, please take your seat.

अँँँ! (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : महोदय, एससी आयोग की रिपोर्ट आयी है कि दलित उत्पीड़न और शोषण के मामले में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: That is not the point on which you have given the notice. Please take your seat.

अँँँ! (व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार : मैं चाहूँगा कि सरकार इस पर अपनी नीति स्पष्ट करे। फारूख अब्दुल्ला साहब, आप खड़े होकर जवाब दीजिए।

*(Interruptions) अँँँ! **

MR. CHAIRMAN: This will not go on record. Shri Shailendra Kumar, what you are speaking will not go on record.

*(Interruptions) अँँँ! **

MR. CHAIRMAN: Shri Shailendra Kumar, what you are speaking has not been mentioned in the notice, so that will not be on record.

...(Interruptions)

MR. CHAIRMAN: Please take your seats. You are not allowed.

...(Interruptions)

SHRIMATI JAYAPRADA : Sir, I want to associate with what the hon. Member said.

MR. CHAIRMAN: Please take your seat.

...(Interruptions)

SHRIMATI JAYAPRADA : Sir, I just want to associate with what the hon. Member said.

MR. CHAIRMAN: You can send your name to the Table. Shrimati Jayaprada is permitted to associate with what the hon. Member said.